Need to establish a Central Agriculture University in Azamgarh,Uttar Pradesh and start operation of flights from the Manduri Airport.-laid

श्रीमती संगीता आजाद (लालगंज): जनपद आजमगढ़ मुख्यतः कृषि व्यवसाय पर आधारित जिला है, यहां कृषि क्षेत्र की संभावनाएं व्यापक हैं जिसमें उद्यमशील कृषि आधारित फसलो के लिए बहुत से नए रास्ते खोजे जा सकते हैं। जिसमें उद्यमशील फसलों के संवर्धन संरक्षण एवं प्रसंस्करण के माध्यम से मशरूम, सब्जियां, मोटे अनाज, गन्ना, मिर्चा की खेती, सनई बागवानी की उद्यमशील खेती का उन्नयन एवं आजमगढ़, बुढ़नपुर, रानी की सराय, ठेकमा,निजामाबाद तहसील के किसानों का संरक्षण हो सके एवं पूर्वांचल में कृषि विकास को ध्यान में रखते हुए आजमगढ़ में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना आवश्यक रूप में हो, इस पर सरकार को आजमगढ़ को केंद्र मानकर इसको अमलीजामा पहनाया जाना चाहिए तभी सुल्तानपुर ,अंबेडकरनगर, मऊ ,बलिया, देवरिया, गाजीपुर, जौनपुर यह सभी ग्रामीण इलाके इन विश्वविद्यालयों से लाभान्वित हो सकेंगे।

अभी लालगंज में कृषि विज्ञान केंद्र खुला है और कोटवा में कृषि विज्ञान केंद्र है और जनपद में कृषि महाविद्यालय भी हैं इसी महाविद्यालय को केंद्रीय विश्वविद्यालय में परिवर्तित किया जाए और साथ ही मंडूरी हवाई अड्डे को शीघ्र संचालित किया जाए। उद्योग आधारित कृषि खेती को बढ़ावा देने के विशेष क्षेत्र को घोषित किया जाए और कमर्शियल क्रॉप्स जैसे मशरूम, सनई, मिर्चा , गन्ना,मोटे अनाज बागवानी को बढ़ावा दिया जा सके।